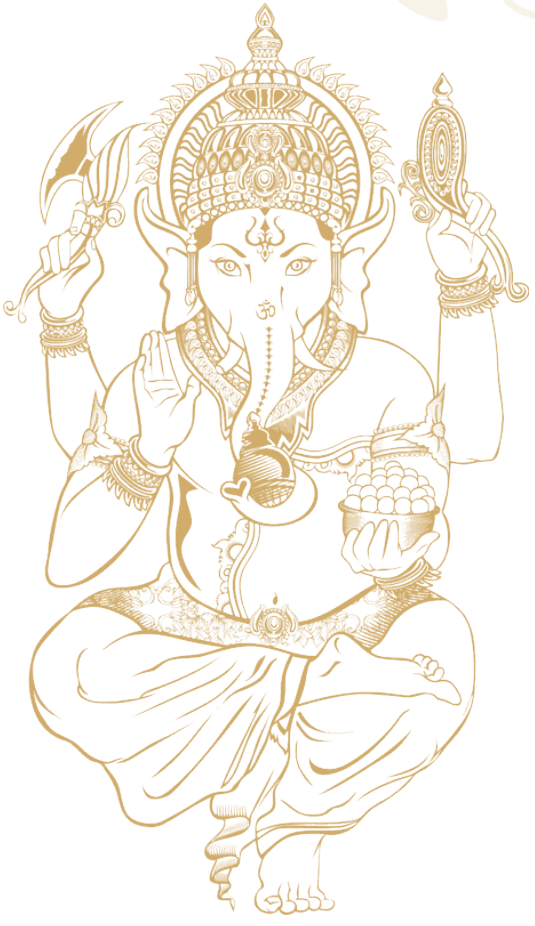

Mr.harsal

22 May 2007

06:00 AM

Gaya

Model: web-freekundliweb

Order No: 121226311

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**22/05/2007**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**06:00:00 घंटे**
इष्ट	02:21:06 घटी
स्थान	**Gaya**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	24:48:00 उत्तर
रेखांश	85:00:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:10:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	06:10:00 घंटे
वेलान्तर	00:03:23 घंटे
साम्पातिक काल	22:07:03 घंटे
सूर्योदय	05:03:33 घंटे
सूर्यास्त	18:29:59 घंटे
दिनमान	13:26:26 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	06:36:43 वृष
लग्न के अंश	20:11:00 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृष - शुक्र
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**पुष्य - 4**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	वृद्धि
करण	तैतिल
गण	देव
योनि	मेष
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	डा-डालचंद
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	20:11:00	357:03:37	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	केतु	---
सूर्य			वृष	06:36:43	00:57:44	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	बुध	शत्रु राशि
चंद्र			कर्क	15:03:53	12:55:47	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	गुरु	स्वराशि
मंगल			मीन	10:54:37	00:45:19	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	सूर्य	मित्र राशि
बुध			वृष	26:00:05	01:37:23	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	राहु	मित्र राशि
गुरु	व		वृश्चि	22:48:06	00:07:02	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	चंद्र	मित्र राशि
शुक्र			मिथु	20:56:59	01:03:42	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	मित्र राशि
शनि			कर्क	25:05:50	00:03:17	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	राहु	शत्रु राशि
राहु	व		कुंभ	18:39:52	00:02:44	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	चंद्र	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	18:39:52	00:02:44	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	शत्रु राशि
हर्ष			कुंभ	24:18:18	00:01:32	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	---
नेप			मक	28:04:12	00:00:06	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	---
प्लूटो	व		धनु	04:22:48	00:01:20	मूल	2	19	गुरु	केतु	चंद्र	---
दशम भाव			कुंभ	05:41:59	--	धनिष्ठा	--	23	शनि	मंगल	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:57:41

लग्न-चलित

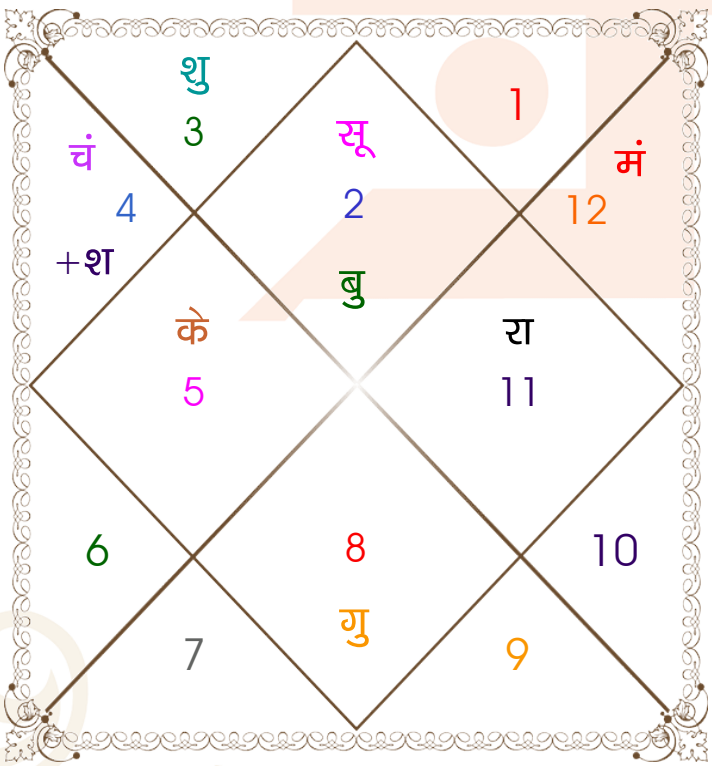

चन्द्र कुंडली

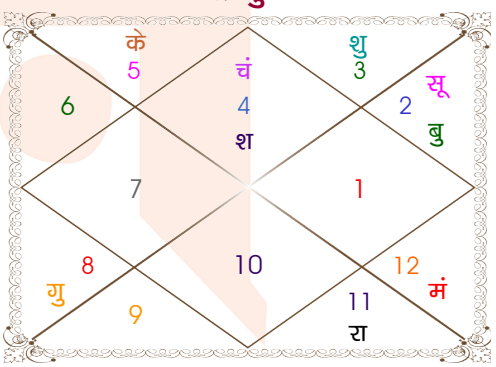

नवमांश कुंडली

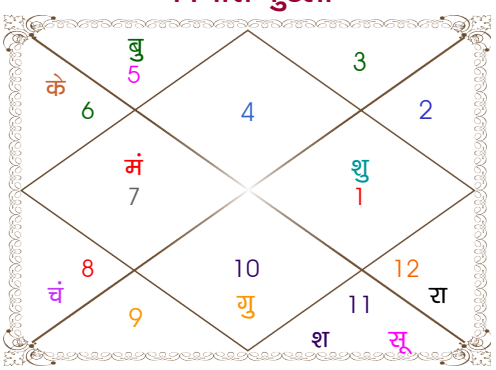

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 2 वर्ष 3 मास 11 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
22/05/2007		02/09/2009		02/09/2026		02/09/2033		02/09/2053	
02/09/2009		02/09/2026		02/09/2033		02/09/2053		02/09/2059	
	00/00/0000	बुध	29/01/2012	केतु	29/01/2027	शुक्र	01/01/2037	सूर्य	20/12/2053
	00/00/0000	केतु	25/01/2013	शुक्र	30/03/2028	सूर्य	01/01/2038	चंद्र	21/06/2054
	00/00/0000	शुक्र	26/11/2015	सूर्य	05/08/2028	चंद्र	02/09/2039	मंगल	27/10/2054
	00/00/0000	सूर्य	02/10/2016	चंद्र	06/03/2029	मंगल	01/11/2040	राहु	20/09/2055
	00/00/0000	चंद्र	03/03/2018	मंगल	02/08/2029	राहु	02/11/2043	गुरु	08/07/2056
	00/00/0000	मंगल	28/02/2019	राहु	21/08/2030	गुरु	03/07/2046	शनि	20/06/2057
	00/00/0000	राहु	17/09/2021	गुरु	28/07/2031	शनि	02/09/2049	बुध	27/04/2058
	22/05/2007	गुरु	24/12/2023	शनि	04/09/2032	बुध	02/07/2052	केतु	02/09/2058
गुरु	02/09/2009	शनि	02/09/2026	बुध	02/09/2033	केतु	02/09/2053	शुक्र	02/09/2059

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
02/09/2059		02/09/2069		01/09/2076		02/09/2094		03/09/2110	
02/09/2069		01/09/2076		02/09/2094		03/09/2110		23/05/2127	
चंद्र	02/07/2060	मंगल	29/01/2070	राहु	15/05/2079	गुरु	20/10/2096	शनि	06/09/2113
मंगल	31/01/2061	राहु	16/02/2071	गुरु	08/10/2081	शनि	03/05/2099	बुध	16/05/2116
राहु	02/08/2062	गुरु	23/01/2072	शनि	14/08/2084	बुध	09/08/2101	केतु	25/06/2117
गुरु	02/12/2063	शनि	03/03/2073	बुध	03/03/2087	केतु	16/07/2102	शुक्र	24/08/2120
शनि	03/07/2065	बुध	28/02/2074	केतु	21/03/2088	शुक्र	16/03/2105	सूर्य	06/08/2121
बुध	02/12/2066	केतु	27/07/2074	शुक्र	22/03/2091	सूर्य	02/01/2106	चंद्र	07/03/2123
केतु	03/07/2067	शुक्र	26/09/2075	सूर्य	13/02/2092	चंद्र	04/05/2107	मंगल	15/04/2124
शुक्र	03/03/2069	सूर्य	01/02/2076	चंद्र	14/08/2093	मंगल	09/04/2108	राहु	20/02/2127
सूर्य	02/09/2069	चंद्र	01/09/2076	मंगल	02/09/2094	राहु	03/09/2110	गुरु	23/05/2127

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 2 वर्ष 3 मा 24 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म रोहिणी नक्षत्र के चतुर्थ चरण में वृष लग्न के उदित काल, कर्क नवमांश एवं मकर द्रेष्काण में हुआ था। आप आश्चर्यजनक उत्साह, आत्मिक शक्ति से युक्त है। आप अपने उद्देश्य की प्राप्ति में शिला के समान स्थिर रह कर, सांसारिक सुख एवं भोग विलास युक्त जीवन प्राप्त करेंगे।

आप सदैव उद्देश्य की तलाश में अपने लक्ष्य की ओर निश्चित रूप से बढ़ते रहेंगे। आप अपना महत्वपूर्ण कीर्ति स्तंभ निसंदेह रूप से स्थापित करेंगे, क्योंकि आप अपनी योजना के द्वारा ही अपनी कार्य व्यवस्था को उपयुक्त कर लेंगे। आप कभी भी छलांग नही लगाते। आप समय की प्रतिक्षा करते हैं। समय आने पर पूर्वनिर्धारित योजना के अनुरुप कार्य करते हैं। जब आप अपना लक्ष्य निर्धारित कर कार्यारंभ करते हैं तो निश्चित रूप से सभी विषयों की ओर से विमुख होकर, अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु प्रयत्नशील रहते हैं। आप अपने अपरिवर्तित लक्ष्य के प्रति आश्वस्त होकर सफलता पूर्वक प्राप्त कर लेते हैं। क्योंकि आप दिवा स्वप्न द्रष्टा नही हैं। बल्कि कठिन श्रम करके उत्साहपूर्वक उपलब्धि प्राप्त करते हैं। परिणाम रुवरूप आप यथेष्ठ रूप से भौतिकी लाभ बिना किसी भी प्रकार की हानि अथवा बिना अपव्यय किए ही प्राप्त कर लेंगे। आप अपनी धन लोलुप्ता के प्रभाव से तथा कंजूसी से अपने धन संपत्ति में वृद्धि प्राप्त करेंगे।

आप प्रेम संबंधित क्षेत्र में सांसारिक सुख भोग एव विलासिता संबंधी आनंद प्राप्ति हेतु धन व्यय करेंगे। आप यदि समय-समय पर आलस्य करना त्याग दें तो सहजता पूर्वक आनंदमय जीवन की स्थापना कर सकते हैं। अर्थात अपना जीवन आनंदमय बना सकते हैं।

आप में इस बात का अभाव है कि आप अपनी धन प्राप्ति संबंधित महत्वकांक्षा को पूरा करने में असफल हो जाते हैं।

आप शारीरिक रूप से सामान्य कद के गोल-मटोल, मांसल अंगों से युक्त, देहधारी प्राणी हैं। प्रमुख रूप से आपका मस्तक बड़ा एवं आंखे आकर्षक हैं।

आप अपने व्यवसाय के प्रति अभिरूचि युक्त, निष्ठावान होकर धनोपार्जन हेतु शक्ति संपन्नता से व्यस्त, बिना किसी भी व्यवधान के तथा बिना भ्रमित हुए, निर्विवाद होकर सफलता प्राप्ति हेतु व्यस्त रहेंगे।

परंतु यदि आपका कोई शत्रु गलत तरीके से आपके कार्य में बाधा उत्पन्न करता है, तो आप पीछे उलटकर उस पर सांढ़ की तरह क्रोधित होकर कठिन प्रहार करेंगे।

आप शांतिपूर्वक अपने पारिवारिक स्नेहिल जीवन को आरामदायक एवं प्रिय बनाकर रहेंगे।

आप अपने परिवार को अच्छि प्रकार स्थापित करने के मार्ग पर अग्रसर होकर अपने परिवार एवं अपने दांपत्य जीवन के वातावरण को सुखद बनाने के लिए सभी व्यवस्था करेंगे।

आपका स्वभाव वृषभ राशीय है। आपका स्वास्थ्य उत्तम एवं शरीर हृष्ट-पुष्ट है। परंतु आप स्वभाव से अति संवेदनशील, तथा किसी भी प्रकार के दर्द के प्रति कठिनाई अनुभव करने वाले हैं। यदि आप शारीरिक रूप से किसी भी प्रकार की असमर्थता अनुभव किया तो किसी तरह अंगहीन हो सकते हैं। संप्रति आपकी क्षमता ऐसी है कि आप सामान्य और सीमित रोगों का सामना कर सकते हैं। परंतु आप में शीघ्रता पूर्वक स्वास्थ्य लाभ करने की शक्ति नहीं है। फलस्वरूप आपको पूर्णरूपेण स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करने में विलंब हो सकता है। आप किसी भी प्रकार से सुरक्षित कार्य संपादन में विश्वास रखने वाली प्राणी हैं तथा ऐसा ही करती हैं। सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है।

आपके लिए अनुकूल रंग गुलाबी सफेद एवं हरा रंग उत्तमता का प्रतीक है। आपके लिए लाल रंग अच्छा नहीं है। अतः आप लाल रंग को अपघात सूचक समझें।